



**मधुबन**  
**MADHUBAN**  
हरियाणा पुलिस अकादमी का मुख्यपत्र  
A NEWS LETTER OF HARYANA POLICE ACADEMY  
website : <http://www.hpa.haryanapolice.gov.in>



वर्ष 10 Volume II

अप्रैल-जून APRIL-JUNE 2017

अंक Issue XXXVII



डीजीपी हरियाणा डा. केपी सिंह द्वारा मुख्य अतिथि माननीय श्री मनोहर लाल मुख्यमंत्री हरियाणा को स्मृति चिन्ह भेंट



मुख्य अतिथि द्वारा सलामी ग्रहण



भव्य परेड द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी

## पुलिस सरकार का चेहरा, इस्में और सुंदर बनाएँ : सीएम

7 अप्रैल को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय सुनारिया रोहतक(हरियाणा) के दीक्षांत परेड मैदान में शानदार दीक्षांत परेड का आयोजन हुआ जिसमें बैच नम्बर एस-8 में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले तथा पूर्व सैनिक रहे 649

सिपाहियों ने भाग लिया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जिन्हें परेड ने सलामी देकर स्वागत किया। दीक्षांत परेड समारोह में हरियाणा सरकार के सहकारिता र ऐज्यमंत्री श्री मनीष ग्रोवर, हरियाणा के पुलिस



महानिदेशक डा. केपी सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने दीक्षांत परेड में शामिल सिपाहियों को उनका प्रशिक्षण पूरा होने पर बधाई दी और उनको उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस सरकार का चलता-फिरता चेहरा है। एक अच्छा पुलिसकर्मी सेवाभाव से कार्य करते हुए सरकार के चेहरे को और अधिक सुन्दर रूप में पेश कर सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार भारतीय सेना में रहते हुए उन्होंने अच्छा कार्य किया है उसी प्रकार पुलिस विभाग में भी बेहतर सेवाएं देंगे। उन्होंने प्रशिक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सिपाही कुलदीप सिंह द्वितीय वाहिनी, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सिपाही अशोक कुमार तृतीय वाहिनी, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सिपाही सर्बजीत सिंह प्रथम वाहिनी को एक-एक प्रशंसा-पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया।

## Our New DGP



**Sh. B.S. Sandhu  
1984 batch IPS  
officer has taken  
over the charge  
as Director  
General of Police  
Haryana on 28th  
April 2017**

मुख्य अतिथि ने घोषणा की कि पीपीपी मोड के तहत दिल्ली अम्बाला राजमार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। अपराध शाखा के अंतर्गत एक 'साइबर पुलिस स्टेशन' की मंजूरी दी जा चुकी है। पुलिस कर्मियों के लिए 5 हजार रूपए जोखिम भत्ता जारी रहेगा। महिला पुलिस के 1581 नए पद बने हैं, जल्द की फोर्स में महिला पुलिस दस फीसदी हो जाएगी।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक डा. केपी सिंह भापुसे ने मुख्य अतिथि व अन्य उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए अच्छा प्रशिक्षण देने के लिए पीटीसी सुनारिया के महानिरीक्षक श्री नवदीप सिंह विर्क भापुसे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय प्रताप सिंह हुपुसे व प्रशिक्षण स्टाफ की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 649 पूर्व सैनिक पुलिस में शामिल हुए हैं। इनमें 4 एमबीए, 24 पोस्ट ग्रेजुएट, 2 बीटेक, 175 ग्रेजेट व 441 मैट्रिक पास हैं। इन्हें कंप्यूटर, दूर-संचार, ट्रैफिक नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया गया है।

दीक्षांत परेड समारोह में पास हुए प्रशिक्षणार्थियों के शानदार मार्च-पास्ट व हरियाणा पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला रैकर्स्ट बैच 83 की प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉस पीटी ने दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह के अंत में पीटीसी सुनारिया व रोहतक रेंज के महानिरीक्षक श्री नवदीप सिंह विर्क भापुसे ने मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य व्यक्तियों, परिवारजनों व मीडिया का आभार व्यक्त किया।



## हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में लहरा रहीं परचम : कविता जैन

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में 29 जून वीरवार को दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें में 834 महिला व 81 पुरुष रैकर्ड सिपाहियों ने भाग लिया और राष्ट्र ध्वज का साक्षी मानकर संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा रखने व कर्तव्यपरायणता की शपथ ली। इस अवसर पर हरियाणा सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती कविता जैन ने मुख्या अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिला सिपाहियों को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। पुलिस सेवा में हरियाणा की बेटियों का रुझान महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक कदम है। पुलिस सेवा एक रोजगार ही नहीं बल्कि इसमें बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी छिपी है। उन्होंने दीक्षांत परेड में शामिल महिला पुलिसकर्मियों से कहा कि आज उन्होंने प्रदेश की बेटियों के लिए एक आदर्श स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने महिला-उत्थान के लिए विजन डॉक्यूमेंट 2030 प्रस्तुत करते हुए अनेक कारगर कदम उठाए हैं। हरियाणा में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के सकारात्मक परिणाम पूरे देश व प्रदेश के लिए उत्साहवर्धक है। हरियाणा पुलिस में महिलाओं की भागीदारी शीघ्र ही 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।



उन्होंने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने सासाहिक अवकाश को लागू करके पुलिसकर्मियों के हित में कार्य किया है। महिलाएं अपनी ड्यूटी सहजता से और एक अच्छे वातावरण में कर सके इसके लिए सरकार व पुलिस निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रशिक्षण में प्रथम तीन स्थानों पर रही सिपाही क्रमशः हरप्रीत कौर, अमिता यादव व आरती को प्रशंसा-पत्र से सम्मानित किया। इससे पहले हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक व डीजी श्री केके सिंधु भापुसे ने मुख्या अतिथि व अन्य महामानों का स्वागत करते हुए हरियाणा पुलिस अकादमी और प्रशिक्षण सम्बंधी जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि यह बैच 12 दिसंबर 2016 को आरम्भ हुआ था इसमें 834 महिला व 81 पुरुष रैकर्ड सिपाहियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस बैच में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में 75 स्नातकोत्तर 394 स्नातक तथा 446 बाहरवीं पास हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें कानून, हथियार, जनसम्पर्क, कंप्यूटर, मानवाधिकार आदि विषयों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। श्री सिंधु ने मुख्या अतिथि को समृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में धन्यवाद अभिभाषण अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे द्वारा रखा गया। इस अवसर पर करनाल की मेयर श्रीमती रेणू बाला गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह भापुसे, महानिरीक्षक श्री सुभाष यादव भापुसे, पुलिस अधीक्षक श्री अधिषेक गर्ग भापुसे, श्री राहुल शर्मा भापुसे, श्री जशदीप सिंह रंधावा भापुसे, श्री विनोद कुमार भापुसे, श्री ओमवीर सिंह भापुसे व महिला एवं बाल विकास विभाग जिला करनाल की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रजनी पसरीचा सहित गणमान्य व्यक्ति, परेड में भाग लेने वाले पुलिसकर्मियों के परिवार जन व मित्रगण व मीडिया कर्मी को भी उपस्थित रहे।



## मधुबन में राष्ट्रीय सेमीनार-पुलिस के समक्ष चुनौतियों पर मंथन

05 अप्रैल शुक्रवार को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के सरदार पटेल हाल में 'कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पुलिस सामने समकालीन चुनौतियां' विषय पर आज एक राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से 57 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। श्री रामनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह हरियाणा ने सेमीनार का शुभारम्भ किया। इस मौके पर डा. केपी सिंह भापुसे, पुलिस महानिदेशक हरियाणा भी उपस्थित रहे।

सेमीनार का शुभारम्भ करते हुए गृह सचिव श्री रामनिवास ने कहा कि पुलिस सरकार का चेहरा माना जाता है, वर्दीधारी सिपाही सरकार के काम-काज का संकेतक होता है। वर्तमान में पुलिस परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, क्योंकि उसकी जबाबदेही अनेक स्तर पर बढ़ी है। देश - विदेश में अनेक आर्थिक और वैचारिक बदलाव हो रहे हैं। आर्थिक उदारीकरण का लाभ सभी तबको तक नहीं पहुंच पाया है जिससे समाज में विरोधाभास बढ़ रहा है। इन बातों का असर सीधे तौर पर कानून और व्यवस्था पर दबाव के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में पुलिस के समक्ष कड़ी चुनौतियां पैदा हो रही हैं। आतंकवाद के साथ-साथ जातीय और साम्प्रदायिक बातों को लेकर विरोध प्रदर्शन भी पुलिस के सामने बड़ी चुनौती के रूप में बढ़ रहे हैं। उन्होंने समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस के प्रशिक्षण, पदोन्नति नीति बदलाव और पुलिस सुधार कार्यक्रम को तेजी से पूरा करने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पुलिस-पब्लिक अनुपात को पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री रामनिवास ने भारतीय पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि सब करोड़ की आबादी वाले देश में विपरित हालातों के बावजूद भी पुलिस कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है।

सेमीनार में श्री केके सिंधु भापुसे, निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमीनार की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान में नशे की तस्करी जैसी पारम्परिक चुनौतियों के साथ-साथ आतंकवाद, क्षेत्रवाद, सोशलमीडिया का प्रभाव और साइबर आतंकवाद जैसी समकालीन चुनौतियां पुलिस के सामने हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि या किया आज का सेमीनार इन चुनौतियों से निपटने के लिए जागरूक करने की दिशा में सफल होगा। श्रीमती ममता सिंह भापुसे, संयुक्त निदेशक अकादमी ने मुख्य अतिथि श्री रामनिवास, डा० केपी सिंह भापुसे, पुलिस महानिदेशक हरियाणा व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का सेमीनार पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक कदम है। इसमें भागीदार बनने के लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद किया।

सेमीनार के दौरान प्रथम सत्र में नागालैंड के पूर्व डीजीपी श्री चमन लाल की अध्यक्षता में हरियाणा के डीजीपी डा. केपी सिंह भापुसे ने भारत में पुलिस के समक्ष आने वाली चुनौतिया विषय पर तथा श्री केके सिंधु भापुसे ने तेजी से बदलते सामाजिक व राजनैतिक वातावरण में पुलिसिंग विषय पर अपने विचार रखे।

द्वितीय सत्र में हिमाचल प्रदेश के अतिरिक्त महानिदेशक श्री श्याम भगत नेगी भापुसे की अध्यक्षता में बीएसएफ के पूर्व डीआईजी श्री केएस सूद ने आतंकवाद और अलगाववाद, भारतीय पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली के पीएसओ श्री संजय शर्मा ने भीड़ पर नियंत्रण के लिए गैर-जानलेवा हथियारों के बारे में जानकारी दी। तृतीय सत्र में डा. केपी सिंह भापुसे की अध्यक्षता में श्री एसएन प्रदान भापुसे अतिरिक्त महानिदेशक एवं संयुक्त सचिव उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय ने साइबर अपराध के बदलते स्वरूप तथा सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता श्री नीरज कुमार ने साइबर अपराध विशेषण तथा डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता विषय पर अपने विचार रखे।



## महिलाओं को ड्राईविंग प्रशिक्षण हेतु हीरो मोटोकॉर्प ने दिए वाहन और सिम्यूलेटर

27 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)व हीरो मोटरसाइकिल के सहयोग से हरियाणा पुलिस अकादमी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के एक समारोह में हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ व कॉरपोरेट उत्तरदायित्व के प्रमुख श्री विजय सेठी ने महिलाओं को ड्राईविंग सिखलाने हेतु श्री केके सिंधु भापुसे, निदेशक अकादमी को 5 मोटर साईकिल व 20 स्कूटर व ड्राइविंग सिम्यूलेटर भेंट किया।

अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस अकादमी को प्रदान किए गए 25 दुपहिया वाहनों और ड्राईविंग सिम्यूलेटर से महिला पुलिसकर्मी और पुलिस परिसर मधुबन में रहने वाली महिलाओं को ड्राइविंग सीखने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग आज के युग में मूल-भूत आवश्यकता बन गई है। अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्राइविंग को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यूएनडीपी और हीरो मोटोकॉर्प महिला सशक्तीकरण के लिए पुलिस के साथ भविष्य में भी सहयोग करते रहेंगे।

हीरो मोटोकॉर्प के सीआईओ और कम्पनी में सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रमुख श्री विजय सेठी ने बताया कि हीरो मोटोकॉर्प ने महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य के तहत विशेष रूप से महिलाओं को वाहन चलाने का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 25 दुपहिया वाहन व ड्राइविंग सिम्यूलेटर पुलिस अकादमी मधुबन को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि महिला स्वयं वाहन चलाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने में सक्षम होती है तो वह समाज में और बेहतर तरीके से अपनी उपयोगिता तय कर सकती है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हीरोमोटोकॉर्प महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर हरियाणा पुलिस का सहयोग करती रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की ओर से श्रीमती कांता सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ दुनिया के 200 देशों में महिलाओं के विकास के लिए कार्य कर रहा है। पुलिस के रूप में एक महिला को कई बार तुरंत मौके पर पहुंचकर फरियादी की मदद करनी होती है। इस विचार के साथ यूएनडीपी व हीरोमोटोकॉर्प ने महिला पुलिसकर्मियों को वाहन चलाने में सक्षम बनाने के लिए यह पहल की है। इस मकसद को पूरा करने की पहल के लिए हरियाणा पुलिस अकादमी से बेहतर और दूसरा मंच नहीं है क्योंकि यहां प्रतिवर्ष हजारों महिला पुलिसकर्मी प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं जो स्वयं सीख कर समाज में अन्य महिलाओं की मदद करती है। कार्यक्रम में अकादमी की ओर से डा. सुमन मंजरी भापुसे महानिरीक्षक अकादमी ने स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर श्री सुभाष यादव भापुसे, महानिरीक्षक करनाल रेंज, श्री शिवास कविराज भापुसे, महानिरीक्षक राजमार्ग व यातायात तथा अन्य पुलिस अधिकारी व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।



दिव्यांग बच्चों की सेवा करना प्रभु भक्ति के सामान है-आलोका कविराज

हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन व आशा फाउण्डेशन के संयुक्त प्रयास से मधुबन थाना क्षेत्र करनाल के गांवों में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के प्रचार हेतु जन जागृति अभियान आरम्भ किया गया। 15 मई को समाज सेविका आलोका कविराज ने गांव बसताडा में पहुंचकर सभा का अयोजन किया जिसमें गांव के जनप्रतिनिधियों, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया सभा को संबोधित करते हुए श्रीमती कविराज ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। समाज सेवा में जनता को बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। दिव्यांग बच्चों को अपेक्षाकृत अधिक देखभाल और सहयोग की आवश्यकता होती है। इन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामान्य बच्चों की भाँति अवसर प्रदान करें। जरूरतमंद दिव्यांग बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के लिए हरियाणा सशस्त्र पुलिस के सहयोग से मधुबन में 'आशा' स्कूल चलाया जा रहा है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। ग्रामवासियों की ओर सरपंच श्री मेवा सिंह ने श्रीमती कविराज को स्मृति चिन्ह भेंट किया।



# इंग्लैंड से आई टीम ने सीखलाए ट्रेनिंग के गुर।

## न्याय तक हिंसा पीड़ित महिलाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में 10 से 13 अप्रैल तक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। हिंसा प्रभावित महिला व लड़कियों की न्याय तक पहुंच में वृद्धि विषय पर अकादमी के पुलिस प्रशिक्षकों के लिए यह कार्यक्रम डा. केपी सिंह भापुसे, पुलिस महानिदेशक हरियाणा की पहल पर शेफिल्ड हालेम विश्वविद्यालय के हेलना केनेडी सेन्टर फॉर इन्टरनेशनल जस्टिस इंग्लैंड द्वारा हरियाणा पुलिस के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीमती ममता सिंह भापुसे, संयुक्त निदेशक अकादमी द्वारा किया गया। समापन अवसर पर डा. सुमन मंजरी भापुसे, महानिरीक्षक अकादमी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रतिभागियों को शेफिल्ड विश्वविद्यालय यूके में अपराध शास्त्र विषय की प्राध्यापिका, कार्यक्रम प्रबंधक डा. सुनीता टूर व अफ्रीका से प्रशिक्षक पीटर क्रांजे ने प्रशिक्षण की रोचक विधियों से परिचित कराया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डा. मंजरी ने अपने संबोधन में कहा कि यूरोपीय देश यूके ने महिलाओं के प्रति हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषय को लेकर भारत की पुलिस के ज्ञान, कौशल तथा दृष्टिकोण को व्यापक करने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किए हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और दोनों पक्षों का इसमें लाभ भी होता है। उन्होंने कहा कि अकादमी के प्रशिक्षकों ने इंग्लैंड से आई टीम से कुछ नया सीखने में रुचि दिखाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यक्रम के दौरान अर्जित किया गया ज्ञान व कौशल और सकारात्मक माइन्डसेट प्रतिभागियों के व्यक्तित्व और पुलिस विभाग की छवि को और अधिक निखारने में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यक्रम के लिए हरियाणा के डीजीपी डा. केपी सिंह, पुलिस मुख्यालय पर महानिरीक्षक श्री एएस चावला तथा प्रशिक्षण देने आई डा. सुनीता टूर और पीटर क्रांजे का आभार व्यक्त किया।

डा. सुनीता टूर ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशिक्षकों के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि इनकी सीखने की लगन ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाया है। इनकी सक्रिय भागीदारी ने नए मानदंड स्थापित किए हैं। प्रशिक्षक पीटर क्रांजे ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतिभागी सीखी गई बातों को प्रत्येक मंच पर लागू करेंगे और महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा की रोकथाम में हिस्सेदार बनेंगे।

इस मौके पर अकादमी जिला न्यायवादी श्री शशिकांत शर्मा ने कार्यक्रम का संयोजन किया और बताया कि कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, इस हिंसा को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान तथा राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप हिंसा पीड़ित महिला के साथ सर्वप्रथम कैसी प्रतिक्रिया हो, महिलाओं के प्रति हिंसा के मामलों की विवेचना, पीड़ित व गवाह से पूछताछ के तरीकों, हिंसा प्रभावित महिला व लड़कियों का संरक्षण, महिलाओं के हित में कार्य करने वाली विभिन्न एजेंसियों के बीच ताल-मेल व महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम के लिए की जाने वाली सक्रिय पुलिसिंग के बारे में जानकारी दी गई तथा इस जानकारी को आगे अन्य पुलिसकर्मियों तक पहुंचाने का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों की ओर से विचार रखते हुए अकादमी के उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सार्थक व उपयोगी बताया।



## कौशल हासिल करना है तो माइंडसेट बदलिए - डा. सुमन मंजरी

27 अप्रैल : कौशल को हासिल करना है तो हमें अपनी मानसिकता को बदलते हुए नए परिवर्तनों को अपनाने को तैयार रहना होगा। यह उद्गार हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन की महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे ने अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में व्यक्त किए। वे महाअधिवक्ता कार्यालय हरियाणा के सहयोग से आयोजित ई-फाइलिंग जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहीं थीं। इस कार्यक्रम में महाअधिवक्ता कार्यालय के उप महाअधिवक्ता श्री हिम्मत सिंह, श्री रविदत्त शर्मा व सहयोगक महाअधिवक्ता श्री गौरव बंसल ने जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न थानों से आए 500 से अधिक पुलिस अनुसंधान अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि डा. मंजरी ने कहा कि कम्प्यूटर के युग में सूचना व ज्ञान का भंडार है लेकिन इसका कौशल के रूप में पूरी तरह से रूपांतरण नहीं हो पाता। हमें मानसिकता को बदलना होगा। स्वःप्रेरणा से सीखना व समझना कौशल को हासिल करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया की आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम से कार्य को ऑन-लाइन करने के प्रति जागरूकता बढ़ेगी जिससे पुलिसकर्मी साधनों का बेहतर तरीके से प्रयोग करने में सक्षम बनेंगे। उप महाअधिवक्ता श्री हिम्मत सिंह ने अपने व्याख्यान में पुलिस एवं महाअधिवक्ता कार्यालय की कार्यप्रणाली ई-डायरी, ई-वेटिंग व केस स्टेटस सिस्टम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लगभग 21000 पुलिसकर्मी सालाना पेपर बुक लेने के लिए एजी हरियाणा के कार्यालय में आते थे। यह पेपर बुक वादी के वकील द्वारा न्यायालय में दाखिल की जाती है, जिस पर जवाब देना होता है। डीजीपी और एजी हरियाणा की पहल पर पेपर बुक प्रदान करने का कार्य ऑन लाइन कर देने से अब एजी ऑफिस आने की आवश्यकता नहीं होती। पेपर बुक को अपलोड कर दिया जाता है जिसे जिला मुख्यालय पर नियुक्त नोडल अधिकारी द्वारा डाउनलोड कर लिया जाता है। ऑन लाइन जवाब की जांच करवाने का प्रयोग हरियाणा में लिए लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस, जेल विभाग एवं महाअधिवक्ता कार्यालय के मध्य ऑनलाइन कार्य होने से करोड़ों रुपये के राजस्व और मानव संसाधनों की बचत हो रही है। ऑन लाइन से पूर्व एक केस में जवाब दाखिल करने तक औसतन 9 से 12 कार्यदिवस लगते थे जो अब इस प्रक्रिया को अपनाने से अधिकतम 4 कार्य दिवस ही लगते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस ई-वेटिंग को आरम्भ करने वाली देश की पहली पुलिस व महाअधिवक्ता कार्यालय हरियाणा देश का पहला कार्यालय बन गया है।



### बच्चे देश का भविष्य, उनके वर्तमान के संरक्षण की जिम्मेदारी हमारी- डा. उपनीत लाली

06 मई को अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए बने कानूनों से परिचित कराने के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 270 राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशासनिक सुधार संस्थान चंडीगढ़ की उप निदेशक डा. उपनीत लाली ने शिरकत की और प्रतिभागियों का मार्ग दर्शन किया।

डा. उपनीत ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं इनका वर्तमान सुंदर बनाकर ही देश का भविष्य उज्ज्वल कर सकते हैं। बच्चे को कभी झूठी दिलासा न दें। बच्चे की बात को धैर्य के साथ सुनें। उसे सुनते समय किसी अन्य कार्य में अपना ध्यान न लगाएं क्योंकि बच्चे के लिए बात को कहने के लिए शब्दों का चुनाव उतना आसान नहीं है जितना किसी व्यस्क व्यक्ति के लिए होता है। बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है या फिर उसका कोई शोषण करता है दोनों ही स्थिति में बच्चा अपराध बोध से ग्रस्त हो सकता है और ऐसा उसके व्यक्तित्व के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए बच्चे को समझाएं कि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। यह एक दुर्घटना है। घर से बाहर बच्चा किसी भी तरह से जब किसी के संरक्षण में होता है तो उसके स्वास्थ्य, देखभाल व सुरक्षा की जिम्मेदारी संरक्षणकर्ता व्यक्ति, संस्था, पुलिस की होती है। उन्होंने कहा कि संरक्षणकर्ता का नैतिक और कानूनी कर्तव्य है कि वह उसी प्रकार से उस बच्चे का ध्यान रखें जैसे की कोई अपने बच्चे का रखता है। उन्होंने बच्चों का लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 के प्रावधानों व गैरसरकारी संस्थाओं की भूमिका से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।



कार्यक्रम के आरम्भ में अकादमी के जिला न्यायवादी श्री शशिकांत शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और जेजे एक्ट के नवीनतम संशोधन के बारे में जानकारी दी। अकादमी के प्रशिक्षक श्री कंवरपाल ने बच्चों के प्रति अपराध करने वालों के लिए कानूनी सजा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अकादमी की डीएसपी श्रीमती विद्यावती व अन्य प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

## सकारात्मक सोच से मिलती है खुशी और सफलता - अभिलाषा मिश्रा

राष्ट्रीय जन-सहयोग एवं बाल विकास संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में 26 मई शुक्रवार को अकादमी के डा. राधाकृष्णन सम्मेलन कक्ष मधुबन में पोक्सो एक्ट 2012 पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें राज्य के विभिन्न थानों से आए 42 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारम्भ राष्ट्रीय जन-सहयोग एवं बाल विकास संस्थान के संयुक्त निदेशक श्री एस सी श्रीवास्तव ने किया। अकादमी के डीए श्री शशिकांत शर्मा ने अकादमी की ओर से श्री सक्षेना व संकाय सदस्या श्रीमती अभिलाषा मिश्रा का स्वागत किया। कार्यशाला में बच्चों को समझना और बच्चों पर दुराचार का प्रभाव, बच्चों के साथ लैंगिक हिंसा उनके अधिकारों का हनन, पोक्सो अधिनियम 2012 की प्रमुख विशेषताएं और पुलिस की इसे लागू करने में भूमिका, स्वयं के नजरिये को समझना और तनाव प्रबन्धन विषयों पर अभिलाषा मिश्रा व श्री एससी श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का ज्ञान वर्धन किया।



उदाहरण है। बुरे तनाव के प्रबन्धन से हम खुश रह सकते हैं। इसके लिए समय का सटुपयोग करें, कार्य की प्राथमिकता और आवश्यकता के अनुसार उचित समय कार्य के लिए तय करें। अपनी सेहत के लिए समय निकालें, चुप रहने की बजाय जो कहना है उसे कह देना चाहिए। वर्तमान पर ध्यान देने, रुचिकर कार्य करने, हंसने और सही वक्त व समय पर किसी व्यक्ति को कार्य के लिए मना करने से भी तनाव कम होता है।

### सकारात्मक व सहयोग की भावना बनाती है व्यक्ति को बेहतर- डा. सुमन मंजरी

21 से 23 जून तक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली व हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन संयुक्त तत्वावधान में सामाजिक सुरक्षा मामलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे द्वारा तथा समापन, करनाल के जिला न्यायवादी श्री शशिकांत शर्मा द्वारा किया गया। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान नई दिल्ली के उप निदेशक डा. आर गिरीराज ने भी कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में 40 अराजपत्रित पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए डा. मंजरी ने कहा कि ज्ञान व कौशल से कोई पुलिस अधिकारी दक्ष तो बन सकता है लेकिन बेहतर पुलिस अधिकारी बनने के लिए उसमें सकारात्मक व सहयोग की भावना जरूरी है। आम आदमी व्यवस्था से संबंधित किसी भी समस्या के लिए पुलिस के पास पहुंचता है। उस व्यक्ति को सही प्रक्रिया व रास्ता पुलिस को बताना चाहिए। नागरिक की मदद करना और अधिक आसान हो जाएगा यदि हम सामने वाले की स्थिति में अपने आप को रख कर देखें। समापन अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा को लागू करने में पुलिस की सबसे बड़ी भूमिका है। पुलिस अधिकारी पहल करते हुए बच्चों को नशे का शिकार बनाने वालों के खिलाफ कार्यवाही करके, महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करके, बुजुर्गों की शारीरिक, आर्थिक व नैतिक सुरक्षा के लिए कार्य करके और समाज के पिछड़े व कमज़ोर तबको के कानूनी अधिकारों की रक्षा करके सामाजिक सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। कार्यक्रम में अकादमी की आईजी डा. सुमन मंजरी भापुसे, श्री रविकांत श्रीवास्तव शक्तिवाहिनी दिल्ली, मधुबन अस्पताल के डा. कर्तिक दुआ, कैथल के एडवोकेट अरविंद खुरानिया, सुप्रीम कोर्ट के वकील श्री अरविंद जैन, सीबीआई के सेवानिवृत् डीआईजी श्री ओपी छतवाल, अकादमी के डीडीए श्री रामपाल व उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने प्रशिक्षण दिया।



## पुलिस सेवा असाधारण जीवन जीने का सुअवसर - डा. सतबीर बेदी

18 व 19 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली व हरियाणा पुलिस के तत्वावधान में दो दिवसीय जेंडर संवेदीकरण व महिला सिपाही की क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरियाणा पुलिस अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बेसिक व पदोन्नति प्रशिक्षण प्रास कर रही 1000 महिला पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आयोग की सदस्या श्रीमती रेखा शर्मा द्वारा तथा समापन आयोग की सदस्या सचिव डा. (श्रीमती) सतबीर बेदी आईएएस द्वारा किया गया। अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुपन मंजरी भापुसे ने कार्यक्रम में विशेष भागीदारी की।

डा. सतबीर बेदी ने राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा सीधे तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे पहले गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते थे। उन्होंने कहा की सेना में भर्ती होने के लिए जिस प्रकार विज्ञापन में कहा जाता है कि असाधारण जीवन जीना हो तो सेना में आए। यही बात पुलिस के केरियर पर भी काफी हद तक लागू होता है। उन्होंने महिला रैकर्टों को पुलिस के रूप में असाधारण जीवन का चुनाव करने के लिए बधाई दी और कहा कि पुरुषों की अपेक्षा महिला पुलिस की संख्या बहुत

कम है और यह संख्या थाना स्तर पर जाते-जाते और भी कम हो जाती है। प्रायः देखने में आया है कि बड़ी संख्या से प्रभावित होकर महिला भी पुरुषों जैसा व्यवहार करने लगती है लेकिन ऐसा करना जरूरी नहीं है। महिला को अपनी विशेषता निज गौरव खोने की आवश्यकता नहीं है। महिला को कहां और कैसे-कैसे खतरे हैं इसको चिन्हित करने के लिए महिला पुलिस अधिक कारगर साबित होगी, क्योंकि महिला होने के नाते वह महिला का दर्द, स्थिति और मनोदशा सही तरीके से समझने में सक्षम होती है। सुनने की काबिलियत बनाए रखने की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि केरियर में जैसे-जैसे तरकी मिलती है वैसे ही फरियादी की फरियाद को सुनने का कार्य बढ़ जाता है। इसलिए सुनने की काबिलियत को हमेशा बनाए रखें। औरत होना कमजोरी नहीं बल्कि विशेषता है। इस विशेषता को और अधिक मजबूत करने के लिए समाज और विभाग में अपनी उपयोगिता बढ़ाएं, कानून और उसे लागू करने की प्रक्रिया को स्वयं पढ़िए उसे सीखिए और लागू किजिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय महीला आयोग का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस के असाधारण पेशेवर जीवन को सशक्त और सक्षम बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

इससे पूर्व अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुपन मंजरी भापुसे ने अपने स्वागत संबोधन में डा. सतबीर बेदी, श्रीमती रेखा शर्मा का स्वागत करते हुए कहा कि दो दिन का यह क्षमता निर्माण कार्यक्रम महिला पुलिसकर्मियों को अपनी ढूटी संवैधानिक और मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हुए निभाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग का आभार भी व्यक्त किया तथा मुख्य अतिथि डा. सतबीर बेदी व श्रीमती रेखा शर्मा को समृति चिन्ह भेंट किया।

कार्यक्रम के अन्य सत्रों में प्रेरक वक्ता श्री विवेक अत्री ने समाज में महिला की गौरवशाली भूमिका, जेंडर मामलों में अनुभव और खुश रहने के तरीकों के बारे में प्रतिभागी महिलाओं को जानकारी दी। राष्ट्रीय महिला आयोग के टीम से श्रीमती कंचन खट्टर, वरिष्ठ संयोजिका, श्री सर्वेश, परमर्शदाता, कुमारी रानू कालरा, संयोजिका, सुखम जीराम, शैफाली बेहल, अवनी, अपूर्वा गौतम ने राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका, जेंडर संवेदीकरण की आवश्यकता, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा व विभिन्न ऐजेंसियों की भूमिका, महिला पीड़ित के साथ पुलिस का व्यवहार विषयों पर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अकादमी की ओर कार्यक्रम संचालन जिला न्यायवादी श्री शशिकांत शर्मा व डीएसपी अकादमी श्रीमती विद्यावती द्वारा किया गया।



# जिंदगी के इम्तिहान में जोश बनाए रखें - केके सिंधु

## प्रतिभा खोज कार्यक्रम में ट्रेनिंज ने दिया मानवीयता और देशप्रेम का संदेश

हरियाणा पुलिस अकादमी के हर्षवर्धन सभागार में 11 मई गुरुवार को रंग-रंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। रैकर्ट बैच संख्या 83 के महिला एवं पुरुष प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिभा खोज कार्यक्रम का दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे ने शिरकत की। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग में शामिल होने वाले नए रैकर्टों में छुपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए श्री केके सिंधु भापुसे की पहल पर आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री सिंधु ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि उर्जावान युवक-युवतियां पुलिस सेवा में शामिल हो रहे हैं। आज की प्रस्तुतियों में ऐसी ही उर्जा का प्रदर्शन देखने को मिला है जो गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई खूबी जरूर है जिसे पहचान कर आगे लेकर चलने की आवश्यकता होती है। पुलिस एक चुनौतीपूर्ण विभाग है। इस विभाग में और भी जरुरी हो जाता है कि इसमें शामिल होने वाला व्यक्ति अपनी खूबियों को न केवल बनाए रखे बल्कि उनका विकास करता रहे। अपने जोश को जिंदगी के हर इम्तिहान में बनाए रखें। अपनी खूबियों और जोश को बनाए रखते हुए ही हम अपने समाज, अपने विभाग और अपने परिवार को बेहतर सेवाएं देने में सक्षम होंगे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए आगे आएं इसके लिए आवश्यक संसाधन अकादमी की ओर से उपलब्ध कराए जाएं। श्री सिंधु ने कहा कि वे प्रतिभागियों की प्रतिभा से प्रभावित हैं। उच्च स्तरीय प्रस्तुतीकरण के लिए उन्होंने कार्यक्रम की मार्गदर्शक व अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे उनकी टीम व प्रस्तुति देने वाले भागीदारों की जमकर तारीफ करते हुए बधाई दी। प्रतिभा खोज कार्यक्रम में हरियाणावी लोकगीत व नृत्य, पंजाबी गिद्दा, गजल, रागिनी, गीत व संगीतय मय नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शक मानवीयता और देशप्रेम की भावना के साथ भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम में अकादमी की महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा आयोजन में सहयोग के लिए अकादमी के जिला न्यायवादी श्री शशिकांत शर्मा, डीएसपी श्री नारायणचंद, डीएसपी विद्यावती, उप निरीक्षक रामकुमार, ओमप्रकाश व प्रधान सिपाही सुमन बाला की प्रशंसा व आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एचएपी अस्पताल के डा. कार्तिक दुआ व मधुबन परिसर के परिजन भी उपस्थित रहे।





## वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

4 जून रविवार को करनाल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन व हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के सहयोग से ओपीएस विद्या मंदिर करनाल के प्रांगण में वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं के लिए आत्मरक्षा पर कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें अकादमी की टीम ने विभिन्न परिस्थितियों में हमलावर से बचाव के तरीके बताए तथा वरिष्ठ नागरिकों की आर्थिक, शारीरिक व सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु जानकारी दी गई। अकादमी के महिला पुलिस दस्ते ने आत्मरक्षा तकनीकों का शानदार प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. एसबी दीक्षित ने कार्यक्रम में सहयोग के लिए हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु भापुसे व महानिरीक्षक डा. सुमन मंजरी भापुसे का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन महासचिव श्री एचजी खुराना ने किया।

कार्यक्रम में अकादमी के प्रशिक्षक ओमप्रकाश ने वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उन बुजुर्गों को जो प्रायः अकेले रहते हैं सदैव सर्तक रहना चाहिए। उन्हें अपने घर के उन सभी स्थानों को ठीक प्रकार से कुंडा लगाकर बंद रखना चाहिए जहाँ से घर में किसी के दाखिल होने का अंदेशा हो सकता है। अपने घर पर सीसीटीवी कैमरा लगावाएं। दरवाजे पर मैजिक आई व चेन लगाएं तथा किसी भी अपरीचित, अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा न खोलें। सुबह शाम सैर के लिए समूह में जाएं। अपने घरेलू नौकरों के चरित्र की जांच अपने निकटतम थाना से जरूर करवाएं तथा नौकर के दो फोटोग्राफ व ब्लौरा घर और अपने निकटतम संबंधी के पास रखें। ज्यादा नकदी व आभूषण घर पर न रखें। न ही उन्हें घर में लावारिस छोड़ें। अपने इलाके के बीट पुलिस अधिकारी व पोसीआर के सम्पर्क में रहें। पड़ोसी को सूचित करने के लिए अलार्म लगवाएं। अपने परिवार व सम्पत्ति की जानकारी अजनबियों के साथ सांझा न करें। हमेशा अपने तक ही सीमित न रहें अच्छे लोगों के साथ अपना सामाजिक दायरा बनाए रखें। बाजार में उपलब्ध सुरक्षा उपकरण जैसे स्टन गन, मिर्ची वाला स्प्रे, व्यक्तिगत अलार्म को साथ रख सकते हैं।



बैंक द्वारा रिवर्स मोर्टगेज सकीम जारी की गई है जिस पर सम्पत्ति के एवज में 20 साल के लिए मासिक राशि बुजुर्ग को दी जाती है। जिसे इस सम्पत्ति का वारिस या वह स्वयं व्याज चुकाकर वापिस प्राप्त कर सकता है। अकादमी की टीम में प्रशिक्षक ममता देवी, जितेन्द्र सिंह, शर्मिला, अशोक कुमार व प्रशिक्षणार्थी सोनिया, पूनम, सुकन्या, किरण, निशा, परमजीत, अनिता, कर्मजीत कौर शामिल थीं।

### अकादमी में रक्तदान शिविर का आयोजन

20 मई शनिवार को हरियाणा पुलिस अकादमी द्वारा क्षेत्रीय रक्त संचरण केन्द्र करनाल व स्टार रक्तदाता एएसआई अशोक कुमार के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ डा. सुमन मंजरी भापुसे महानिरीक्षक अकादमी ने रक्तदाता को बैच लगाकर किया। शिविर में महिला प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डा. मंजरी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अमूल्य जीवन को बचाने में निःस्वार्थ भागीदारी कर रहे हैं जो मानवता को मजबूत करती है। इस अवसर पर क्षेत्रीय रक्त संचरण केन्द्र करनाल के प्रभारी डा. राजीव पंवार, हरियाणा सशस्त्र पुलिस चतुर्थ वाहिनी के आदेशक श्री ओमवीर सिंह भापुसे, अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डा. कार्तिक दुआ, अकादमी के कल्याण निरीक्षक श्री रामपाल व सहायोगी स्टाफ उपस्थित रहे।



## फ्री मेडिकल कैम्प का आयोजन

8 जून वीरवार को हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन व अर्टेमिस अस्पताल गुरुगाम के सहयोग से मधुबन परिसर में फ्री मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें हड्डी रोग, हृदय संबंधी रोग, महिला संबंधी रोग, स्तन कैंसर, मधुमेह, रक्तचाप रोगों की पहचान व उनके निदान के लिए परामर्श दिया गया। इसके साथ हड्डियों की जांच भी आधुनिक मशीनों से की गई। कैम्प में पुलिसकर्मियों व उनके परिवार के सदस्यों ने लाभ उठाया।

कैम्प टीम का नेतृत्व कर रहे अर्टेमिस अस्पताल के वरिष्ठ प्रबंधक दीपक कुमार जायसवाल ने बताया कि पुलिस अकादमी में अर्टेमिस अस्पताल का यह दूसरा कैम्प है। इस कैम्प में मोबाईल वैन कैंसर यूनिट को विशेष रूप से शामिल किया गया। आमतौर पर महिलाओं में स्तन कैंसर होने की सम्भावना अधिक रहती है। मैमोग्राफी के माध्यम से बिना कोई सैम्प्ल लिए कैंसर का पता लगाया जा सकता है। हजारों रूपये की लागत का यह टेस्ट कैम्प में मुफ्त किया गया। उन्होंने बताया कि कैम्प अकादमी के निदेशक श्री केके सिंधु की पहल पर आयोजित किया गया है जिसके लिए उन्होंने श्री सिंधु का आभार व्यक्त किया। कैंसर उपचार के विशेषज्ञ डा. दीपक सिंघला ने बातचीत में बताया कि महिलाओं में महावारी बन्द होने पर स्तन व गर्भास्थ में कैंसर की सम्भावना अधिक होती है इन दोनों ही प्रकार कैंसरों का इलाज संभव है। उन्होंने सलाह दी कि 45 साल के बाद महिलाओं

को कैंसर संबंधी जांच भी करवा लेनी चाहिए। हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. सतबीर सिंह ने कहा कि हड्डी रोगों से बचाव के लिए शरीर का वजन कम रखना चाहिए। नियमित व्यायाम और सैर करने के साथ-साथ अधिक कैल्शियम वाला भोजन करना चाहिए। दूध व दूध से बने पदार्थ, हरे पत्ते वाली सब्जियां को भोजन में अधिक शामिल करें। भारत के लोगों में विटामिन डी की कमी देखी गई है। विटामिन डी किसी भोजन से प्राप्त नहीं होता। इसे सूर्य की किणों व विटामिन डी सप्लाइमेंट से पूरा किया जा सकता है। हृदय रोग विशेषज्ञ डा. अमित मुंजाल ने हृदय के लिए धुम्रपान को सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए सप्ताह में कम से कम 5 दिन हल्का व्यायाम करना फायदेमंद रहता है। उन्होंने खान-पान में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि तेल व घी की बजाए फल तथा सब्जियों को भोजन में ज्यादा शामिल करना चाहिए तथा पानी का अधिक पाना में सेवन करना चाहिए।



अकादमी के डीएसपी श्री महेश कुमार की देखरेख में इस फ्री मेडिकल कैम्प को सफल बनाने में मधुबन अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर श्री विकास ग्रोवर, डा. कार्तिक दुआ, डा. गगन पासी, डा. अश्विनी कुमार, डा. रीना कुमारी, निरीक्षक रामपाल, सहायक उप निरीक्षक लेखराज फारमेसिस्ट सतीश कुमार, रजत गुप्ता, मनबीर सिंह, रमेश कुमार, अमित कुमार, नरेन्द्र कुमार, नरेश कुमार ने भी सक्रिय सहयोग दिया।

### उत्तम और जोश के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा पुलिस परिसर मधुबन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 9 से 13 जून तक पतंजलि योग समिति करनाल व आयुष विभाग हरियाणा के सहयोग से मधुबन रंगशाला में विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पतंजलि योग समिति करनाल के संगठन मंत्री श्री अजयदीप आर्य व योग प्रचारक श्री प्रीतम ने सभी प्रशिक्षणार्थियों व स्टाफ को योग व प्राणायाम का अध्यास कराया। 21 जून को अकादमी तथा हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन द्वारा विशेष योग कक्षाओं का आयोजन किया गया जिसमें चतुर्थ वाहिनी के आदेशक श्री ओमवीर सिंह भापुसे, अकादमी के डीएसपी श्री नाराणय चंद, श्री महेश कुमार, सशस्त्र पुलिस के डीएसपी श्री कृष्ण कुमार, श्री अशोक कुमार, श्री राजेश कुमार सहित प्रशिक्षणार्थियों और परिसर में रह रहे सभी पुलिसकर्मियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। योग दिवस के अवसर पर अकादमी के निदेशक व डीजी मधुबन परिसर



श्री केके सिंधु भापुसे, मह । निरीक्षक डा. सुमन मंजरी, भापुसे व सशस्त्र पुलिस के महानिरीक्षक श्री शिवास कविराज, भापुसे पुलिसकर्मियों को बधाई दी।



## Skill Development Programmes



## सफलता के लिए फोकस रखना जरूरी - केके सिंधु

06 जून : जीवन में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के साथ उस पर निरंतर फोकस रखना जरूरी है। यह उद्गार हरियाणा पुलिस अकादमी के निदेशक व डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन के अध्यक्ष श्री केके सिंधु भापुसे ने दसवीं कक्षा में श्रेष्ठ परिणाम हासिल करने वाले डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। श्री सिंधु ने मेधावी छात्रों को सम्मान पत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती अनिता गौतम, अध्यापिकाएं व बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित रहे।

श्री सिंधु ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि केरियर का चुनाव शीघ्र करते हुए उसे प्राप्त करने के लिए मेहनत करें और अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। भारतीय सेनाओं में मेधावी छात्रों के लिए नौकरी के साथ-साथ इंजीनियर व डाक्टर बनने का शानदार मौका है। अपनी क्षमता के मूल्यांकन और इसके अनुरूप केरियर के चुनाव में केरियर संबंधी परामर्श सहायक होता है। श्री सिंधु ने कहा कि मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ आगामी कक्षा के लिए मुफ्त पुस्तकें भी इस स्कूल से प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अच्छे अंक लाने में स्वयं की मेहनत का बड़ा योगदान होता है। स्कूल शिक्षा के लिए मंच और माता-पिता सुविधा उपलब्ध करा सकते हैं। श्री सिंधु ने बच्चों व अभिभावकों को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

स्कूल की प्राचार्या श्रीमती अनिता गौतम ने कहा कि डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन का दसवीं कक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा है। 85 छात्रों में से 25 के ग्रेड अंक 9 से अधिक हैं। स्कूल मेधावी बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और मुफ्त पुस्तकें प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि स्कूल में 11वीं कक्षा में मानवीय, वाणिज्य, विज्ञान मेडिकल व नॉन मेडिकल सभी संकाय के लिए पढ़ाई होती है। बच्चों का सर्वांगीण विकास स्कूल का प्रमुख लक्ष्य है। सम्मानित छात्र-छात्राओं में हर्ष वर्मा, आयुश, शीतल, अंजलि देवगन, आदित्य, गौरव, रेणू, सैजल, स्लेहा व हरप्रीत ने 10 व अधिषेक, अंकू, समीर, सुनील कुमारी, ज्योति वरदान, चिराग, सुनिधि, तनु, हिमांशी, ध्रुव, मुस्कान, रवि, हर्षिता व तान्या ने 9 से अधिक ग्रेड अंक प्राप्त किए हैं।



### विधि संकाय में डॉक्टरेट की उपाधि

एफएसएल मधुबन में नियुक्त एएसआई अशोक कुमार को 29 मई 2017 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में माननीय प्रोफेसर कसान सिंह सोलंकी राज्यपाल हरियाणा द्वारा विधि संकाय में डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया। एएसआई अशोक 105 बार रक्तदान कर चुके हैं जिन्हें सामाजिक कार्यों के लिए अनेक बार सम्मानित किया जा चुका है।



### अकादमी के तीन प्रशिक्षकों को मिला पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्टता हेतु पदक

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के प्रशिक्षक सब इंस्पेक्टर अत्तर सिंह, ओआरपी सब इंस्पेक्टर नरेश कुमार व ईएएसआई सुखबीर सिंह को वर्ष 2015-16 के लिए यूनियन होम मिनिस्टर मेडल फॉर एक्सीलेंस इन पुलिस ट्रेनिंग प्रदान किया गया है। भारत सरकार द्वारा 2016 में वर्ष (2014-15) के लिए देश की पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में सेवा दे रहे प्रशिक्षकों को सर्वोत्तम प्रदर्शन हेतु मेडल प्रदान करना आरंभ किया था। इस बार देशभर के 155 पुलिस प्रशिक्षकों को यह पदक प्रदान किया गया है। श्री केके सिंधु भापुसे महानिदेशक/निदेशक, डा. सुमन मंजरी भापुसे महानिरीक्षक अकादमी व स्टाफ ने मेडल विजेताओं को बधाई दी।



Sh. Atar Singh



Sh. Naresh Kumar



Sh. Sukhbir Singh

# पदोन्नति एवं सेवानिवृत्ति के यादगार क्षण



**Arrival & Joining at the Academy**



**Sh. Vinod Kumar, IPS**



**Sh. Mahesh Kumar, HPS**



**HC Ravi Kant**



**HC Mohini**



**HC Reena**



**HC Santosh**



**HC Nirdosh**



**HC Rita**



**HC Savita**



**HC Punam**

Chief Editor : K.K. Sindhu, Director HPA ; Editors : Dr. Suman Manjri, IG/ HPA & SI Om Parkash (CPT Wing)  
Page-making: Ct.Ram Kishan; Photo : HC Meenu Khan & Mr. Surender ( Banti)